प्रथमा पाठ्यक्रम २०१५-२०१८

हिन्दी साहित्य

हिन्दी साहित्य-कोड संख्या १०१/१ / मॉ / क ४ — पूर्णाङ्क १००

उत्तीर्णाङ्क ३३

प्रश्नपत्र १-पठित गद्य और कहानी

(व्याख्या केलिए ४० अङ्क, समीक्षात्मक प्रश्नों केलिए ६० अङ्क निर्धारित हैं।) कहानी से २० अङ्क की व्याख्या तथा निबन्ध से २० अङ्क की व्याख्या। इसी तरह समीक्षात्मक प्रश्नों में भी निबन्ध और कहानी से २०-२० अङ्क के प्रश्न जिसमें गद्य साहित्य का सामान्य परिचय भी रहेगा। काल-विभाजन एवं हिन्दी साहित्य का इतिहास १० अङ्क तथा लेखकों के संक्षिप्त परिचय पूछे जायँगे, जो १० अङ्कों का होगा।

पाठ्य-पुस्तकें

१. **भट्ट निबन्धावली**-पहला भाग, संपादक-देवीदत्त शुक्ल एवं धनंजय भट्ट 'सरल' (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, **इलाहाबाद**)। (उपर्युक्त पुस्तक से केवल पाठ १ से १५ तक ही पाठ्यक्रम में निर्धारित है।

२. **नूतन कहानी संग्रह**-डॉ० केशवप्रसाद सिंह (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद) केवल निम्नलिखित कहानियाँ निर्धारित हैं-

पुरस्कार, प्रायश्चित, पुरातत्त्व के पण्डित।

३. **अभिलाषा (चन्द कहानियाँ आपके नाम)**-धनराज शम्भु, हिन्दी बुक सेण्टर, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। केवल निम्नलिखित कहानियाँ निर्धारित हैं-

प्रेम विवाह, तीन बच्चों वाली माँ, मेरा बेटा।

सहायक-पुस्तक

हिन्दी साहित्य का इतिहास

१. **हिन्दी साहित्य परिचय** : लेखक-रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)।

हिन्दी साहित्य-कोड संख्या १०१/२ / मॉ / क ५ — पूर्णाङ्क १००

उत्तीर्णाङ्क ३३

प्रश्नपत्र २-पठित पद्य, रस, छन्द तथा अलङ्कार

(व्याख्या ४० अङ्क, समीक्षात्मक प्रश्न ३० अङ्क, रस १० अङ्क, छन्द १० अङ्क, अलङ्कार १० अङ्क)

पाठ्य-पुस्तक

४० अङ्कों की व्याख्या तथा ३० अङ्कों के समीक्षात्मक प्रश्न (कवियों की जीवनी, भाषा शैली एवं साहित्यक विशेषता पर) पूछे जायँगें।

नवीन पद्य संग्रह–श्री भगवतीप्रसाद वाजपेयी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद) (केवल-उत्थानकालीन धारा)

रस–परिभाषा एवं उसके भेद — १० अङ्क

अलङ्कार–परिभाषा एवं उसके भेद — १० अङ्क

(१) शब्दालङ्कार–यमक, श्लेष, अनुप्रास।
(२) अर्थालङ्कार–रूपक, सन्देह, अतिशयोक्ति, उल्लेख, उपमा।

छन्द–परिभाषा एवं उसके भेद — १० अङ्क

मात्रिक-उल्लाला, चौपई, तोमर, गीतिका, चौपाई, दोहा, सोरठा।

वर्णिक-इन्द्रवज्रा, वसंततिलका, शिखरिणी, स्रगधरा।

सहायक-पुस्तक

काव्यांग कल्पद्रुम–डॉ० प्रभात शास्त्री (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)

हिन्दी साहित्य–कोड संख्या १०१/३ / मॉ / क ६

पूर्णाङ्क १००
उत्तीर्णाङ्क ३३

प्रश्नपत्र ३–निबन्ध, रचना-व्याकरण एवं अनिवार्य संस्कृत — ६० अङ्क

निबन्ध, रचना-व्याकरण ६० अङ्क (निबन्ध हिन्दी में २० अङ्क, इस प्रश्नपत्र में केवल ३०० शब्दों में निबन्ध लिखने हैं।) वाक्य विग्रह और वाक्य विन्यास १० अङ्क, मुहावरे और लोकोक्तियाँ १० अङ्क, विलोम, एकार्थी, अनेकार्थी शब्द १० अङ्क, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय की परिभाषा १० अङ्क)

अनिवार्य संस्कृत– — ४० अङ्क

पाठ्य-पुस्तक से संस्कृत के दो उद्धरणों का हिन्दी में सरलार्थ — २० अङ्क

हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद — १० अङ्क

सन्धि–दीर्घ सन्धि, यण सन्धि की परिभाषा और उदाहरण, शब्द रूप (नर, बालक, फल, भानु, अस्मद्, तद्), धातुरूप (लट्, लोट् तथा विधिलिंग लकारों में भू, कृ, पा, वद्, स्था, पठ्, हस्, गम्)। १० अङ्क

पाठ्य-पुस्तक

वाणी विलास-प्रथम भाग–सम्पादक पं० रामबालक शास्त्री (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)

सहायक-पुस्तकें

१. रचना तथा व्याकरण–चन्द्रमौलि शुक्ल (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)

२. सामान्य हिन्दी–डॉ० विजयपाल सिंह (हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी)

३. रचनानुवाद कौमुदी–डॉ० कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)